प्रेस-विज्ञप्ति **10.01.2018**

आज दिनांक 01 अक्टूबर, 2018 को अपरान्ह 03:00 बजे मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, एम.एस.एम.ई.-डी.आई., तथा फियो के संयुक्त तत्वाधान में "GeM Portal" पर सत्र का आयोजन किया गया।

श्री बी.एम. गर्ग, अध्यछ, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश ने माननीय श्री सत्यदेव पचौरी, एम.एस.एम.ई. एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री, श्री विजय विश्वास पन्त, आई.ए.एस., जिलाधिकारी, कानपुर, आदरणीय श्री विनय कुमार, उप आयुक्त-डी. आई., मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, फियो तथा कानपुर की प्रतिष्ठित संस्थाओं के सदस्यगण एवं प्रतिनिधिगण तथा मीडियाकर्मियों का आज के सत्र "GeM (Government e-Marketplace) Portal" में हार्दिक अभिनन्दन किया। श्री गर्ग ने कहा कि GeM Portal से क्रेता व् विक्रेता, दोनों को अलग-अलग प्रकार से लाभ प्राप्त होंगे। GeM पोर्टल की कार्य-प्रणाली के लिए उन्होंने सत्र के वक्ताओं से आग्रह किया कि वह हम सभी को इसकी क्रिया-विधि को समझाएं।

श्री सर्वेश्वर शुक्ला, संयुक्त आयुक्त उद्योग, ने सत्र के विषय GeM Portal की भूमिका पर प्रकाश डालते हुये बताया कि GeM पोर्टल एक e-commerce की वेबसाइट है जो कि क्रेता व् विक्रेता के लिए अलग-अलग तरह से कार्य करती है। प्रत्येक सरकारी विभाग को विभागीय खरीद के लिए वेबसाइट (https://gem.gov.in/) में पंजीकरण कराना होगा उसी तरह विक्रेता (उद्यमी बंधुओ) को भी उक्त वेबसाइट में पंजीकरण कराना होगा जिससे उनके द्वारा निर्मित वस्तुओं व् सेवाए उक्त वेबसाइट में खरीद के लिए प्रदर्शित हो सकें। श्री शुक्ला ने बताया कि अभी (सरकारी विभागों के) 107 आवरण-वितरण अधिकारी है जिसमें से 35 ने पंजीकरण किया है, बचे हुए विभाग के सम्बंधित अधिकारी अभी पंजीकरण की दिशा में अग्रसर है।

श्री विजय विश्वास पन्त, आई.ए.एस., जिलाधिकारी, कानपुर, ने बताया कि समस्त सरकारी विभागों को इसी माह के अन्त तक उक्त वेबसाइट में पंजीकरण करा लेना होगा इसके लिए समय-समय पर सत्र का आयोजन, सम्बंधित नोडल अधिकारी से संवाद व् जागरूकता अतिआवश्यक है। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि GeM portal की जागरूकता के लिए समय-समय पर सत्र का आयोजन तथा पॉवर-पॉइंट प्रस्तुतिकरण भी दिया जा सकता है।

श्री यू.सी. शुक्ला, उद्योग निदेशक, एम.एस.एम.ई., ने बताया कि GeM पोर्टल पर पंजीकरण क्रेता व् विक्रेता दोनों के लिए अतिआवश्यक है। एम.एस.एम.ई. के लिए यह निशुल्क ब्रांड प्रमोशन व् मार्केटिंग का साधन है, वहीं दूसरी तरफ सरकारी विभागों को तुलनात्मक (किफायती) दाम पर समान उपलब्ध हो जाता है। सरकारी निति के अनुसार सरकारी विभागों को 20% प्रोक्योरमेंट (खरीद) एम.एस.एम.ई उद्यम से करना है, जिससे विभागों को भी आसानी होती है। श्री शुक्ला ने कुछ (एम.एस.एम.ई.) तथ्यों को माननीय पचौरी के समछ रखते हुए सूचित किया कि 1 करोड़ एम.एस.एम.ई. में से 1,45,000 एम.एस.एम.ई. पंजीकृत है और 8.15 आर्डर प्लेस हो चुके है। अभी GeM पोर्टल की जागरूकता की दिशा में और प्रयास किया जा रहा है।

श्री विनय कुमार, अपर आयुक्त, ने कहा की विक्रेताओं को इसमें पंजीकरण करना चाहिए जिससे उनके उत्पादों का प्रचार हो सके और सरकारी विभागों द्वारा खरीद की जा सके।

श्री सत्यदेव पचौरी, निर्यात प्रोत्साहन एवं एम.एस.एम.ई. मंत्री, ने बताया कि उत्तर प्रदेश 20 करोड़ से अधिक की जनसंख्या वाला प्रदेश है, जिसमें अधिकाँश लोग एम.एस.एम.ई. उद्यम से रोजगार प्राप्त कर रहे है, जिससे न केवल विभागों को बल्कि सभी को उपभोग की वस्तुएं प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सभी को रोजगारपरक बनाना है इसके लिए 3H (Head, Heart व् Hand) अपनाने की आवश्यकता है। हम रोजगारपरक बदलाव की अनुभूति 2017 से कर रहे है जो कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी का नारा है कि सभी युवाओं को रोजगार प्रदान करना है। श्री पचौरी जी ने कहा GeM पोर्टल पर अधिक से अधिक एम.एस.एम.ई. उद्यमियों को पंजीकरण करने की आवश्यकता है जिससे उनके व्यापार को बढ़त मिल सके और सरकारी विभागों के लिए खरीद में आसानी हो सके। श्री पचौरी जी ने कहा सभी सरकारी विभागों के लिए यह आवश्यक है कि वह GeM पोर्टल पर जल्द से जल्द अपना पंजीकरण करवाए।

टेक्निकल सत्र में **श्री प्रवीन वाधवानी** ने पॉवर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण देकर क्रेता व् विक्रेता (दोनों) के अलग-अलग पंजीकरण का क्रिया-विधि तथा तरीका बताया। उन्होंने बताया कि अन्य ई-कॉमर्स वेबसाइट की तरह इसमें भी आई.डी. व् पासवर्ड की आवश्यकता होती है तत्पश्चात क्रेता (अर्थात सरकारी विभाग) विक्रेता (एम.एस.एम.ई उद्यम) से किफायती मूल्य पर विभाग के जरुरत की वस्तुएं खरीद सकता है।

(GeM Portal वेबसाइट की क्रिया-विधि संलग्न है, कृपया प्राप्त करें)

श्री अलोक श्रीवास्तव, कोऑर्डिनेटर, FIEO, ने सत्र का संचालन किया।

सत्र में प्रताप नारायण अग्रवाल, उमेश पाण्डेय, श्री वाई.एस.गर्ग, आदि सरकारी विभागों के अधिकारीगण, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश, फियो तथा कानपुर की प्रतिष्ठित संस्थाओं के सदस्यगण एवं व्यापारीगण आदि उपस्थित थे।

सधन्यवाद